से गुजर रहा है तथा कुछ वर्षों में हरियाणा में सरकार से अनुदान प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ गई है, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपनी उत्कृष्टता को बनाए रखा है व यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है।

भगवद्गीता में निहित 'योगस्थः कुरू कर्माणि' विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य है। उसी सिद्धान्त पर चलते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों की कड़ी मेहनत से विश्वविद्यालय सामाजिक व नैतिक मूल्यों को स्थापित करते हुए उन्हें शिक्षित एवं संस्कारवान बनाने में सफल हुआ है।

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य बदलाव व विस्तार के दौर में अपनी गति को बनाए रखते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई बुलन्दियों को छूना है ताकि यह विश्वविद्यालय ज्ञान आधारित समाज की स्थापना में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल को डिलिट की मानद उपाधि प्रदान करते हुए साथ में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा व कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी

शिक्षण एवं शोध

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर 175 पाठ्यक्रमों के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में रोजगारपरक पाठ्यक्रमों सहित उनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक शिक्षा प्रदान करने का कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय से इस समय प्रदेश के 7 जिलों के 282 कालेज सम्बन्धित हैं। विश्वविद्यालय कला, विज्ञान, वाणिज्य, फार्मेसी, इंजीनियरिंग व विधि संकायों से सम्बद्ध स्नात्कोत्तर स्तर के शोध आधारित व व्यवसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध करवा रहा है। लिंग समानता, जनसंख्या, सामाजिक न्याय, पर्यावरण सुरक्षा, साईबर सुरक्षा तथा पंचायती राज जैसे विषय शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का हिस्सा हैं। इनके अलावा विभिन्न विभागों में नैनो साईंस, सूचना प्रौद्योगिकी बिजनेस मैनेजमैंट, महिला अध्ययन, फोरेंसिक सांईस, विकास प्रबंधन एवं सामाजिक कल्याण, प्रिंटिंग ग्राफिक्स एंड पैकेजिंग, क्लीनिकल साईकोलॉजी तथा योग जैसे विषयों पर विभिन्न पाठ्यक्रम चल रहे हैं। सभी पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के साथ–साथ सामाजिक प्रतिबद्धता को पूरा करते हैं। पंचायती राज विभाग के साथ मिलकर सरपंचों के लिए सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ हुआ है।

इंदिरा गांधी नेशनल सैंटर फॉर आर्टस के साथ एमओयू करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा व कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी

राष्ट्रीय शांति, सद्भावना, सामाजिक न्याय,पर्यावरण सुरक्षा इन विषयों का मुख्य तत्व है। विश्वविद्यालय में इस समय 79 पाठ्यक्रमों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम शुरू किया है। इसी के कारण कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अधिकतर पाठ्यक्रम वैश्विक मानकों के अनुरूप हैं जो युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संभावनाओं के नए द्वार खोलते हैं। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, लोकप्रशासन व प्रबन्धन के शिक्षक मानव संसाधन विकास मंत्रालय के ई–पाठशाला प्रोजेक्ट से जुड़े हैं व साथ ही स्वयं पोर्टल द्वारा शुरू किए गए मूक पाठ्यक्रमों का भी हिस्सा है।

दुनिया भर के विद्वान इस बात पर एकमत हैं कि आने वाले समय में वे विश्वविद्यालय व उच्च शिक्षण संस्थान ही अच्छा कर सकेंगे जो शोध, अनुसंधान, उद्यमशीलता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए–नए प्रयोग करेंगे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने प्रयोगधर्मिता को जारी रखा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य अपनी एक पहचान बनाए हुए हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सफलता के यही मूल मंत्र हैं।

पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के 4500 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं जो स्कोपस में सूचीबद्ध हैं। विश्वविद्यालय में हुए शोधकार्य को स्कोपस में 54वें हाई इंडेक्स पर रखा है। शोध को कुल 30000 से अधिक साईटेशन व इस वर्ष 1218 साईटेशन मिले हैं। देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से निकल रहे शोधपत्रों में भी विश्वविद्यालय के शोधार्थियों एवं शिक्षकों के शोधपत्रों को महत्वपूर्ण स्थान मिला है जिसका पूरा श्रेय विभिन्न संकायों में हो रहे गुणवत्तापूर्ण शोध को जाता है।

वर्ष 2017 में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शिक्षकों एवं शोधार्थियों के 578 शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के सदस्यों ने 611 से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार तथा संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए हैं। स्कोपस के आंकड़ों के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में हो रहा शोध अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। 254 शोध पत्र स्कोपस में सूचीबद्ध हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने दुनिया के विभिन्न देशों में जिनमें अमेरिका, चीन, मलेशिया, सउदी अरब, दक्षिण कोरिया, डेनमार्क, जर्मनी, श्रीलंका, जोर्डन, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया, इटली, जापान, सहित कई अन्य देशों के विद्वानों के साथ मिलकर शोध पत्र लिखे हैं व अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। गत वर्ष 24 शोधार्थियों ने शोध के लिए विदेशों में भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को इस वर्ष कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। गत वर्ष विश्वविद्यालय के 10 संकायों में 125 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। यह आंकड़े शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को परिलक्षित करते हैं।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में खुद को स्थापित करने के लिए अब हम अकेले नहीं चल सकते, दूसरे विश्वविद्यालयों व विशेषज्ञों के साथ मिलकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने इंदिरा गांधी नेशनल सेन्टर फॉर ऑर्टस, सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजिनियरिंग रिसर्च, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड, एनआईइएलआईटी व हरियाणा पंचायतीराज विभाग सहित कई राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ विभिन्न क्षेत्रों में समझौते किए हैं जिसका आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय को लाभ होगा।

ऑयन बीम सेंटर

शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं वैज्ञानिक यूजीसी, डीएसटी, आईसीएसएसआर, एफआईएसटी, सीएसआईआर जैसी शोध संस्थानों से वित्तीय अनुदान लाने में सफल रहे हैं। पिछले 5 वर्षो में विश्वविद्यालय को डीएसटी, यूजीसी, डीआडीओ, डीबीटी, यूएनडीपी व विश्व बैंक में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम {टीईक्यूआईपी} के तहत 88 प्रोजेक्ट मिले हैं। इस समय विश्वविद्यालय के 17 विभागों व संस्थानों को एफआईएसटी,सेप, टीईक्यूआईपी के अन्तर्गत विशेष अनुदान प्राप्त है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों में 53 ऐसे प्रोजेक्ट हैं जिन्हें विभिन्न एजेंसियों से अनुदान प्राप्त है। सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग की तरफ से विश्वविद्यालय की ऑयन बीम सेन्टर को 7 करोड़ रुपए व यूआईईटी को टीईक्यूपी के अन्तर्गत 7 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है।

आधारभूत संसाधन

आधारभूत संसाधनों की दृष्टि से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के सबसे अधिक समृद्ध विश्वविद्यालयों में से एक है। 473 एकड़ में फैले पूरी तरह से वाईफाई कैम्पस में विद्यार्थियों को हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध हैं। वैश्विक स्तरीय शिक्षण, शोध, प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय, हास्टल, कैंटीन, ऑडिटोरियम, प्रशासनिक ब्लॉक, परीक्षा शाखा, जिम्नेज़ियम, स्वीमिंग पूल जैसी सुविधाएं विश्वविद्यालय को आधारभूत संसाधनों की दृष्टि से उत्कृष्ट व समृद्ध बनाते हैं। विश्वविद्यालय के श्रीमद्भगवद्गीता सदन में 2000 लोगों के बैठने की क्षमता का आडिटोरियम व 350 सीटों की क्षमता के मिनी आडिटोरियम, इसे संसाधनो की दृष्टि से श्रेष्ठ बनाते हैं।

विश्वविद्यालय का स्वीमिंग पूल

विश्वविद्यालय के आधारभूत संसाधन, अध्ययन एवं शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक साबित हो रहे हैं। अधिकतर विभागों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त क्लास रूम, लैबोरेटरी, स्मार्ट क्लास रूम, सेमीनार हाल, नवीन सूचना तकनीक से जुड़कर विद्यार्थियों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का वातावरण प्रदान कर रहे हैं जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों व शोधार्थियों को हो रहा है। नई तकनीक को अपनी कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाए बिना हम वर्तमान की आवश्यकताओं व भविष्य की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकते। इसके लिए विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा के पुराने रिकार्ड के डिजिटलाईजेशन की प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। इसके साथ ही परीक्षा से संबंधित सभी कार्यों को ऑटोमेशन किया गया है। रेगुलर, प्राईवेट, बीएड, इंजिनियरिंग सहित सभी पाठ्यक्रमों के परीक्षा फार्म अब आनलाईन भरे जा रहे हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

श्रीमद्भगवद गीता सदन

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को कैम्पस में हॉस्टल सुविधा देने वाले सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है। विश्वविद्यालय में 12 पुरूष छात्रावासों व 13 महिला छात्रावासों में 6182 विद्यार्थियों के रहने की सुविधा उपलब्ध है। इन हॉस्टलों में मार्किट, पार्क, बैंक, पोस्ट आफिस, जिम, पुस्तकालय, एटीएम तथा इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध हैं जो विद्यार्थियों को शोध व शिक्षण के लिए उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर में 24 घंटे एम्बुलैंस सर्विस छात्र–छात्राओं के लिए उपलब्ध है। छात्राओं के स्वास्थ्य के लिए गत वर्ष विश्वविद्यालय की ओर से स्वस्थ बेटी, शिक्षित बेटी अभियान की शुरूआत की गई है जिसके अन्तर्गत विशेष शिविर आयोजित कर नियमित रूप से छात्राओं की स्वास्थ्य जांच की जाती है ताकि छात्राएं शिक्षित होने के साथ–साथ स्वस्थ व सशक्त भी बनें।

विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय में 800 विद्यार्थियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध है । पुस्तकालय में 393970 पुस्तकें व 15328 दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। यह पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें इंटरनेट सुविधा से युक्त लैब है जिसमें 80 कम्प्यूटर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं इनके माध्यम से विद्यार्थी नवीन सूचना तकनीक के दौर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे शोध व शिक्षण का लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालय में 7500 आनलाईन शोध पत्रिकाएं व ई–रिसोर्स की सुविधा भी उपलब्ध है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्थित धरोहर हरियाणा संग्रहालय का अवलोकन करती फिनलैंड यूनिवर्सिटी की टीम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का धरोहर संग्रहालय हरियाणा की कला एवं संस्कृति को सहेजने का काम कर रहा है। यह संग्रहालय राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को आकर्षित कर हरियाणा की संस्कृति को दुनिया के कोने–कोने तक पंहुचाने में सफल हो रहा है।

विश्वविद्यालय की प्राकृतिक सुंदरता इसे देश के सर्वश्रेष्ठ सुंदर विश्वविद्यालयों में से एक बनाती है। विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी इसकी सुंदरता को बनाए रखने के लिए वचनबद्ध हैं। यह देश के ऐसे विश्वविद्यालयों में से एक है जिसने अपने कुल क्षेत्र में से 40 एकड़ भूमि को भी वन क्षेत्र के रूप में संरक्षित किया है ताकि विश्वविद्यालय में रहने वाले वन्य जीव जंतुओं के लिए प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध हो।

संस्थागत सुविधाओं का विकास

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को मिलने वाली संस्थागत सुविधाएं विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का विस्तार व सपनों को पूरा करने का मौका प्रदान करती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न तरह के कार्यक्रम व योजनाएं शुरू की गई हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक उद्देश्यों में सफल होने के लिए योजनाबद्ध तरीके से संस्थागत सुविधाओं का विकास किया है। शैक्षणिक व प्रशासनिक ढांचे के अतिरिक्त विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विकास के उद्देश्य से कई नए केन्द्रों की स्थापना की गई है। शोध व शिक्षण के क्षेत्र की गुणवत्ता के लिए निगरानी प्रणाली की व्यवस्था की गई है। इसके लिए विश्वविद्यालय में यूजीसी व नैक के दिशा–निर्देशानुसार आईक्यूएसी सेल की स्थापना की गई है जो निरंतर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, पूर्व छात्र, कर्मचारियों, उद्योग तथा शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विशिष्ट लोगों से फीडबैक एकत्रित करता है ताकि विश्वविद्यालय में शोध व शिक्षण के क्षेत्र में गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके। शिक्षण व शोध की गुणवत्ता को परखने के लिए एकेडमिक ऑडिट की प्रक्रिया को शुरू किया गया है। परीक्षा शाखा के ऑटोमेशन के लिए प्रोफेसर इंचार्ज परीक्षा की

नियुक्ति की गई है। पुर्नमूल्यांकन सेल की स्थापना कर प्रोफेसर इंचार्ज नियुक्त किया गया है। इन प्रयासों का उद्देश्य परीक्षा शाखा में कामकाज की गति को बढ़ाना व पूरे परीक्षा तंत्र का ऑटोमेशन करना है ताकि विश्वविद्यालय युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं पर खरा उतर सके।

विश्वविद्यालय में अलग से शोध विकास एवं पेटेंट कौंसिल है जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्यो का मूल्यांकन करना व उसे प्रोत्साहित करना है ताकि विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण विभागों में शोध की गुणवत्ता बढ़े। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक रोजगार मिले इसके लिए कार्पोरेट रिसोर्स सेंटर स्थापित किया गया है जो निरंतर उद्योग व शिक्षण के बीच तालमेल के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करता है। शोध व शिक्षण की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए डॉ. राधाकृष्णन फाउंडेशन फंड की स्थापना की गई है। यह फाउंडेशन जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाती है। गत वर्ष 1648 विद्याथियों को 95.53 लाख रूपए की राशि छात्रवृत्ति स्वरूप प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास के लिए विश्वविद्यालय वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए दाखिले में आरक्षण, फीस माफी तथा छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय का डॉ. भीमराव अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक समरसता के सिद्धांतों पर चलते हुए विभाग वंचित वर्ग के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इसके साथ–साथ कई कल्याणकारी योजनाएं चलाता है जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलता है। एससी सेल केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों को एससी/एसटी विद्यार्थियों के कल्याण के लिए क्रियान्वित करता है। विश्वविद्यालय का महात्मा गांधी आल इंडिया सर्विस कोचिंग सेंटर अनुसूचित व पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों के लिए आईएएस, एचसीएस, नेट, बैक पीओ सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन करता है। इस सेंटर में विद्यार्थियों की निरंतर बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण हैं कि विद्यार्थी बड़ी संख्या में इन सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय दूरवर्ती शिक्षा के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक है। ऐसे विद्यार्थी जो नियमित पढ़ाई नहीं कर सकते उनकी जरूरत को ध्यान में रखते हुए दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय में 35 विभिन्न पारम्परिक व व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर हजारों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। गत वर्ष 20000 विद्यार्थियों ने निदेशालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय के सभी कोर्स डीईसी से मान्यता प्राप्त हैं। दूरवर्ती निदेशालय में डिजीटलाईजेशन व ऑटोमेशन की शुरूआत करते हुए विद्यार्थियों की सुविधा के लिए मोबाईल एप व अन्य सुविधाएं शुरू की गई हैं जिनका फायदा सीधे विद्यार्थियों को हो रहा है।

विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रांगण में 12969 विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अधिकतर विभागों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं जो इस बात को दर्शाता है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' अभियान की अगुवाई कर रहा है। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन एवं शोध के साथ–साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि उनका सम्पूर्ण विकास हो सके।

राष्ट्र स्तरीय रत्नावली महोत्सव में प्रस्तुति देते कलाकार

विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने में सहायता प्रदान करने के लिए 'प्लैसमेंट सेल'

निरंतर प्रयासरत है। गत वर्ष 500 से अधिक विद्यार्थियों को 2.5 लाख से 6.0 लाख रूप्ये के पैकेज पर कैम्पस प्लैसमेंट मिली है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को हॉस्टल तथा स्वास्थ्य सहित सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी व्यवसायिक रूप से सफल होने के साथ–साथ सामाजिक रूप से जिम्मेवार बने इसके लिए विश्वविद्यालय वचनबद्ध है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियां / सह–पाठ्य गतिविधियां

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हरियाणा प्रदेश को अच्छे खिलाड़ी व युवा कलाकार दिए हैं। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर रत्नावली महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। यह पहला अवसर था जब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मंच पर हरियाणा के साथ–साथ पंजाब, जम्मू–कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र व कई अन्य राज्यों के कलाकारों के साथ–साथ नेपाल के कलाकार भी सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता में गत वर्ष 3200 प्रतिभागियों ने 32 विधाओं में प्रतिभागिता की है। खेल के क्षेत्र में हमारा दमदार प्रदर्शन जारी है। हमारे खिलाड़ियों ने कई राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं जीतकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के एनएसएस की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर का निरीक्षण करते कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा व साथ में अन्य शिक्षक एवं अधिकारी

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग की ओर से युवा महोत्सव, इंटर जोनल, अंतर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय स्तर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। पिछले 5 दशकों में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा की कला एवं संस्कृति के केन्द्र के रूप में विकसित हुआ है। सरस्वती महोत्सव, वार्षिक भाषण प्रतियोगिता, टैलेंट शो, हिंदी दिवस, पत्रकारिता दिवस, कविता पाठ, संस्कृत दिवस, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं तथा विभिन्न विभागों में विषय सम्बंधी ज्ञानाधारित कौशल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

हरियाणा के इस सबसे पुराने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों में भाषण कौशल के विकास के लिए हर वर्ष रोस्ट्रम वार्षिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित करवाई जा रही है। गत वर्ष विभाग, हॉस्टल, फैकल्टी स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 3279 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। एनसीसी कार्यक्रम के अंतर्गत 19 यूनिट छात्रों के लिए तथा 18 यूनिट छात्राओं के लिए स्थापित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में इस वर्ष एनएसएस के माध्यम से 15142 स्वयं सेवकों ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता की है। गत वर्ष गणतंत्र दिवस में एनएसएस के स्वयं सेवकों ने भाग लेकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

इंटर यूनिवर्सिटी योग प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करते खिलाड़ी

खेल के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का योगदान सराहनीय है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का नाम रोशन

किया है। विश्वविद्यालय के खेल मैदान में तैयार खिलाड़ियों में 12 खिलाड़ियों ने अर्जुन पुरस्कार, 4 खिलाड़ियों ने द्रोणाचार्य पुरस्कार तथा एक खिलाड़ी ने मेजर ध्यानचंद पुरस्कार प्राप्त किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने ओलम्पिक, वर्ल्ड चैम्पियनशिप, एशियन गेम, कामनवेल्थ गेम सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया है। खेल निदेशालय की ओर से अंतर–कालेज, अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है जिसमें खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की है।

ई–गवर्ननेंस एवं डिजिटलाईजेशन

समय के साथ कदमताल करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने डिजिटल व कैशलेस यूनिवर्सिटी की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाये हैं। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को ई–गवर्नेंस का लाभ हो, इसके लिए हरियाणा नॉलेज कमीशन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर परीक्षा तंत्र के डिजीटलाईजेशन की प्रक्रिया को लागू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय से हर वर्ष परीक्षा देने वाले 7.5 लाख विद्यार्थियों की आशाओं को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म को डिजिटल किया गया है। इसके साथ ही ऑन लाईन फीस पैमेंट व कैशलेस विश्वविद्यालय के लिए नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

ऑनलाईन फीस जमा करवाने के लिए साफ्टवेयर को लांच करते विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा

रन फॉर यूनिटी दौड़ का शुभारंभ करते हुए कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा

सामाजिक पहल

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हमेशा ही अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए सामाजिक विकास के लिए समय–समय पर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हए विश्वविद्यालय ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की तर्ज पर 'शिक्षित बेटी, स्वस्थ बेटी' अभियान की शुरूआत कर बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई की ओर से वर्ष भर सामाजिक जागरूकता अभियान गांव–गांव में शुरू किए गए हैं। पर्यावरण की रक्षा के लिए विश्वविद्यालय में मंगलवार का दिन व्हीकल फ्री डे घोषित किया गया है।

सामाजिक समरसता के लिए विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के 4000 से अधिक शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने भाग लेकर सामाजिक एकता का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के 'महिला अध्ययन एवं शोध केन्द्र' की ओर से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वार्षिक गतिविधियां

विश्वविद्यालय में होने वाली शैक्षणिक गतिविधियां, शैक्षणिक विकास यात्रा का आईना होती हैं। गत वर्ष विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। नैक ए–प्लस ग्रेड मिलने के अवसर पर विशेष समारोह आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी जी ने अपना आशीर्वाद स्वरूप उद्‌बोधन विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को दिया। विभागों की ओर से राष्ट्रीय व अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन से विश्वविद्यालय विभिन्न शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बना रहा।

विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में शिक्षित बेटी, स्वस्थ बेटी अभियान की शुरूआत करते विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा व कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी

डिजीटल युग में स्व–अन्वेषणः श्रीमद्‌भगवद्‌गीता दर्शन के परिप्रेक्ष्य में
पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्‌घाटन अवसर पर
भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द, हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी,
हिमाचल के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल

विश्वविद्यालय के जूलोजी, जियोलॉजी, यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मैनेजमेंट, इलेक्ट्रानिक्स साईंस, सांख्यिकी, महिला एवं अध्ययन शोध केन्द्र, जियोफिजिक्स, यूआईईटी सहित विभिन्न विभागों की ओर से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस ब्रिक्स एंड इंडिया का आयोजन किया गया जो इंडियन कांउसिल ऑफ सोशल साईंस की तरफ से प्रायोजित था। नेशनल मूट कोर्ट, मीडिया कौशल विकास कार्यशाला, स्वर्ण जयंती भाषण श्रृंखला में विद्वानों का उद्‌बोधन, अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती सेमीनार तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस एवं राष्ट्रीय रत्नावली महोत्सव का आयोजन विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। यूजीसी के अंतर्गत स्थापित मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक वर्ग को कुशल बनाने के प्रयासों के अन्तर्गत ओरिएंटेशन, रिफ्रेशर व शार्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया गया। सांख्यिकी विभाग, जूलोजी, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, जियोफिजिक्स, मैनेजमेंट स्टडीज, संस्कृत, कामर्स, यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मैनेजमेंट तथा बॉटनी विभाग की ओर से पूर्व छात्र–मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसके साथ ही यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र की ओर से ओरिंएटेंशन व रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया है।

हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष में विश्वविद्यालय की ओर से स्वर्ण जयंती भाषण श्रृंखला के अन्तर्गत इस वर्ष छह व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमें तीसरा व्याख्यान हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केसी अग्निहोत्री ने जम्मू कश्मीर में समस्या एवं समाधान पर दिया। चौथा व्याख्यान इंटरनेशनल सेंटर फार कल्चरल स्टडीज दिल्ली के इंटरनेशनल ज्वाइंट डायरेक्टर रवि कुमार अय्यर जी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धिः विश्व गुरू का दर्जा फिर से

स्वर्ण जयंती भाषण श्रृंखला के अन्तर्गत आए मुख्य वक्ता इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज, दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त निदेशक रवि कुमार अय्यर जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा

हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ते कदम पर दिया, पांचवा व्याख्यान अंतरिक्ष वैज्ञानिक ओमप्रकाश पांडे जी ने समकालीन संदर्भ में प्राचीन भारतीय ज्ञान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। छठा व्याख्यान इंदिरा गांधी सेंटर फार फ्रीडम स्ट्रगल स्टडीज, नई दिल्ली के प्रो. कपिल कुमार जी ने राष्ट्रवाद, उपनिवेशवाद एवं भारत में समकालीन मुद्दे विषय पर दिया। सातवें व्याख्यान में इंदिरा गांधी सेंटर फार आर्टस, नई दिल्ली के डॉ. सच्चिदानंद जी ने समावेशी शिक्षा पर अपना व्याख्यान दिया। 8वां व्याख्यान लोकसभा सदस्य श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने समकालीन मानवतावाद विषय पर दिया। 25–27 नवम्बर के बीच अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर डिजीटल युग में स्व–अन्वेषणः श्रीभगवद्गीता दर्शन के परिप्रेक्ष्य में विषय पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द जी ने किया।

प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी, मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के साथ–साथ दुनिया के 10 देशों से डेविड फराले, स्टीफन नेप, डॉ. राज छिक्कारा, पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह, अजय नरूला, ब्रह्मकुमारी बीके पुष्पा, लंदन से जेम्स हेगरटे जैसे विद्वानों ने भाग लिया। 29 मई को आयोजित 30वें दीक्षांत समारोह में भारत सरकार के गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपना दीक्षांत भाषण दिया व उन्हें डॉक्टर ऑफ साईंस की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल को डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने वर्ष 2017 में विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उच्च शिक्षा व शोध के क्षेत्र में गत वर्ष कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का योगदान प्रशंसनीय रहा है। इसका पूरा श्रेय विश्वविद्यालय के नीति–निर्माताओं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों को जाता है। उच्च स्तर एवं कुशल मानव संसाधन तैयार करना आज एक बड़ी चुनौती है। विश्वभर में भारतीय मानव संसाधन की मांग लगातार बढ़ रही है। इस मांग को हम तभी पूरा कर सकेंगे जब हम युवा पीढ़ी को ध्यान में रखकर अपने पाठयक्रम नीतियां व कार्यक्रम तैयार करेंगे। हमें आशा है कि हम आने वाले वर्ष में अपने कर्मठ शिक्षकों व कर्मचारियों की कड़ी मेहनत से विद्यार्थी केन्द्रित नीतियां बनाते हुए अपनी सामाजिक जिम्मेवारियों को पूरा करते हुए विश्वविद्यालय के रूप में अपनी प्रतिष्ठा व सम्मान को बढ़ाने के अपने नित नए प्रयास जारी रखेंगे।

Authorities and Officers of the University

CHAPTER I
THE AUTHORITIES OF THE UNIVERSITY

(A) THE AUTHORITIES

(i) The Court
(ii) The Executive Council
(iii) The Academic Council
(iv) The Finance Committee
(v) The Faculties
(vi) The Academic Planning Board.

(B) OFFICERS OF THE UNIVERSITY

The following officers held office as indicated against each during the period under Report from 01.01.2017 to 31.12.2017.

Chancellor	Prof. Kaptan Singh Solanki	
Vice-Chancellor	Dr. Kailash Chandra Sharma	
Registrar	Dr. Parveen Kumar Saini	
Proctor	Prof. R.K. Deswal	
Chief Warden (Men's Hostel)	Prof. C.P. Singh	
Chief Warden (Women's Hostel)	Prof. Manjusha Sharma	
Dean, Students' Welfare	Prof. Pawan Kumar Sharma	
Dean Academic Affairs	Prof. Anil Vohra	
Dean of Colleges	Prof. Rajneesh Kumar	
Librarian (Offg.)	Prof. Manoj Joshi	
Controller of Exams.-I	Dr. Hukam Singh	
Controller of Exams.-II (Offg.)	Dr. O.P. Ahuja	upto 30.11.2017

.

LIST OF MEMBERS OF THE COURT OF THE KURUKSHETRA UNIVERSITY ACCORDING TO STATUTE-8 FROM 01.01.2017 To 31.12.2017.

(a) Ex-officio Members:

(i) Chancellor:
Prof. Kaptan Singh Solanki

(ii) Vice-Chancellor:
Dr. Kailash Chandra Sharma

(ii)(a) the Pro-Vice-Chancellor;

(iii) the Secretary to Govt. Haryana, Education Dept. OR in his absence, his nominee not below the rank of Joint Secretary;

(iv) the Secretary to Govt. Haryana Finance Dept. OR in his absence, his nominee not below the rank of Joint Secretary;

(v) the Higher Education Commissioner, Haryana OR in his absence Joint Director Colleges, Haryana;

(vi) Deans of Faculties:

1.	Dean, Faculty of Arts & Languages,	
	Dr. Ashu Shokeen	from 07.01.2017
	Dr. R.S. Bhatti	upto 06.01.2017
2.	Dean, Faculty of Social Sciences,	
	Dr. Chandra Paul Singh	from 10.08.2017
	Dr. C.R. Darolia	upto 09.08.2017
3.	Dean, Faculty of Life Sciences,	
	Dr. Ashok Aggarwal	from 30.09.20\17
	Dr. V.K. Gupta	upto 29.09.2017
4.	Dean, Faculty of Sciences,	
	Dr. N.N. Dogra	from 02.11.2017
	Dr. Shyam Kumar	upto 01.11.2017
5.	Dean, Faculty of Indic Studies,	
	Dr. R.P. Mishra	
6.	Dean, Faculty of Commerce & Management,	
	Dr. (Mrs.) Manjula Chaudhary	
7.	Dean, Faculty of Law,	
	Dr. Dalip Kumar	from 19.12.2017
	Dr. Raj Pal	upto 18.12.2017
8.	Dean, Faculty of Education,	
	Dr. Rajinder Singh Yadav	from 31.01.2017
	Dr. Rakam Singh	upto 30.01.2017
9.	Dean, Faculty of Engg. & Tech.,	
	Dr. N.N. Dogra	from 02.11.2017
	Dr. Shyam Kumar	upto 01.11.2017

10. Dean, Faculty of Pharmaceutical Sciences,
Dr. Avtar Chand Rana

(vii) Registrar, K.U. Kurukshetra,
Dr. Parveen Kumar Saini

(viii) Dean, Students' Welfare, KUK
Dr. Pawan Kumar Sharma

(ix) Dean Academic Affairs
Dr. Anil Vohra

(x) Dean of Colleges, KUK
Prof. Rajneesh Kumar

(xi) Controller of Exams.
Dr. Hukam Singh
Dr. O.P. Ahuja (Offg.) upto 30.11.2017

(xii) Librarian, KUK
Dr. Manoj Joshi (Offg.)

(b) Other Members:

(i) Two persons to be elected by the Haryana Vidhan Sabha from amongst its members out of which at least one should be woman:

1. Smt. Santosh Sarwan, M.L.A.,
Kothi No.-70, Sector-4,
Mansa Devi Complex, Panchkula.

2. Shri Subhash Sudha, M.L.A.,
Kothi No.-7, Sector-7,
Kurukshetra.

(ii) Professors of the University not exceeding ten, on the basis of seniority by rotation.

1. Dr. Ajmer Singh Malik, from 25.12.2017
Prof., Dept. of Public Admn.

Prof. Rajnesh Kumar upto 24.12.2017
Prof., Dept. of Zoology

2. Prof. (Mrs.) Smita Chaudhary,
Prof., Institute of Environmental Studies

3. Dr. S.S. Boora, from 16.12.2017
Prof., Dept. of Tourism and Hotel Mgt.

Dr. R.P. Grover, upto 15.12.2017
Prof., UGC-HRDC

4. Dr. H.S. Randhawa,
Prof. Dept. of Panjabi

5.	Dr. Narender Singh, Prof., Dept. of Commerce	
6.	Dr. (Mrs.) Sangeeta, Prof., Dept. Education	from 18.10.2017
	Prof. Babu Ram, Prof., Dept. of Hindi	upto 17.10.2017
7.	Dr. (Mrs.) Suchismita Prof., Dept. Music & Dance	from 30.09.2017
	Prof. R.S. Yadav, Prof., Dept. of Education	upto 29.09.2017
8.	Dr. Bhag Singh Bodla, Prof., Dept. of USM	from 23.08.2017
	Prof. Puran Singh, Prof., Dept. of Education	upto 22.08.2017
9.	Dr. R.P. Mishra, Prof., Dept. of Sanskrit	
10.	Dr. (Mrs.) Neera Verma, Prof., Dept. of Economics	from 12.12.2017
	Dr. Rakam Singh, Prof., Dept. of Physical Education	from 18.08.2017 upto 03.11.2017
	Dr. (Mrs.) Ramana Sood, Prof., Dept. of Education	upto 17.08.2017

(iii) Five teachers to be elected from amongst the Associate Professor/Readers and Assistant Professor of the University of whom at least two shall be Associate Professor/Readers. Out of the aforementioned five elected teachers at least one should be woman.

1 Dr. (Mrs.) Anita Bhatnagar,
Assistant Professor,
Dept. of Zoology,
K.U., Kurukshetra.

2. Mrs. Meenakshi Suhag,
Assistant Professor,
Dept. of Environmental Studies,
K.U., Kurukshetra.

3. Dr. (Ms.) Monika,
Assistant Professor,
Dept. of Computer Sc. & Applications,
K.U., Kurukshetra

(iv) Eight Principals and Twenty Four Teachers from clauses (a) to (d): -

1. Dr. Ranbir Singh, Principal, Shaheed Udham Singh Govt. College, Matak Majri-Indri, Karnal.	from 28.03.2017
2. Dr. Rajinder Singh, Principal, Sanatan Dharma College, Ambala Cantt.	
3. Dr. Ramesh Lal, Principal, D.A.V. College, Cheeka (Kaithal).	
4. Dr. Pawan Kumar Sharma, Principal, Dayanand College, Hisar.	from 28.03.2017 upto 18.08.2017
5. Dr. Krishan Kumar, Associate Professor, S.U.S. Govt. College, Matak-Majri, Indri (Karnal).	from 28.03.2017
6. Dr. Rohini Singh, Assistant Professor, Govt. P.G. College, Ambala Cantt.	
7. Smt. Sunita Chopra, Assistant Professor, Govt. College, Safidon (Jind)	
8. Sh. Tej Singh, Associate Professor, Govt. College, Jind.	
9. Sh. Vinod Prakash, Assistant Professor, Govt. College, Hisar.	from 28.03.2017 upto 18.08.2017
10. Dr. Anuradha Sheokand, Assistant Professor, Gandhi Memorial National College, Ambala Cantt	from 28.03.2017
11. Dr. P.R. Tyagi, Associate Professor, Guru Nanak Khalsa College, Yamuna Nagar.	

12. Dr. Shri Parkash,
Associate Professor,
M.L.N. College,
Yamuna Nagar.

13. Dr. Anupma,
Associate Professor,
Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya,
Dhand-Dadwana (Kaithal).

14. Dr. Lukhvinder Singh,
Associate Professor,
D.A.V. College,
Pehowa (Kurukshetra).

15. Dr. Rupesh Gaur,
Librarian,
Indira Gandhi National College,
Ladwa (Dhanora), Kurukshetra.

16. Ms. Monika Saini,
Librarian,
Kumari Vidyavati Anand DAV College For Women,
Karnal.

17. Sh. Sanjay Sharma,
Associate Professor,
D.A.V. College,
Karnal.

18. Dr. Vijay Singh,
Assistant Professor,
Arya (P.G.) College,
Panipat.

from 28.03.2017

19. Sh. Attar Singh,
Associate Professor,
C.R.M. Jat College,
Hisar.

20. Dr. Joginder Singh,
Assistant Professor,
Dayanand College,
Hisar.

21. Mrs. Sunita Bhargava,
Associate Professor,
F.C. College for Women,
Hisar.

from 28.03.2017
upto 18.08.2017

1. Dr. Ashok Kumar,
   Principal,
   Mukand Lal National College, Radaur.

2. Dr. Surinder Pal Singh,
   Principal,
   Govt. College, Sec.-1, Panchkula.

3. Dr. Subhash Chander,
   Principal,
   D.A.V. College, Pundri (Distt. Kaithal.)

4. Dr. Y.P. Sharma,
   Principal,
   D.A.V. (PG) College, Karnal.

5. Dr. (Mrs.) Poonam Sharma,
   Principal,
   S.D. Mahila Mahavidyalaya,
   Narwana (Jind).

6. Dr. Vivek Kohli,
   Principal,
   Sohan Lal DAV College of Education,
   Ambala City.

7. Mr. Narender Siwach,
   Associate Professor,
   Govt. College, Sec.-1,
   Panchkula.

8. Dr. Punam Devi,
   Assistant Professor,
   SUS Government College,
   Matak-Majri Indri (Distt. Karnal).

9. Sh. Satbir Singh,
   Assistant Professor,
   Govt. College for Girls, Sec.-14,
   Panchkula.

10. Sh. Ashok Kumar,
    Associate Professor,
    D.A.V. College,
    Ambala City.

11. Mrs. Alka Singhal,
    Assistant Professor,
    D.A.V. College for Girls,
    Yamuna Nagar.

12. Dr. Ankeshwar Prakash,
    Associate Professor,
    D.A.V. College, Sadhaura.

upto 27.03.2017

13. Dr. Rajbir Parashar,
Associate Professor,
R.K.S.D. College (P.G.), Kaithal.

14. Sh. Rajesh Kumar,
Associate Professor,
D.A.V. College, Pundri (Kaithal).

15. Dr.(Mrs.) Dhanesh Mahalay,
Associate Professor,
B.A.R. Janta College, Kaul (Kaithal).

16. Sh. P.k. Narula,
Associate Professor,
I.B. (P.G.) College, Panipat.

17. Dr. Sarika Choudhary,
Assistant Professor,
Dyal Singh College, Karnal.

18. Dr. Naveen Goyal,
Associate Professor,
S.D. College (PG) Panipat.

19. Dr. Anjana Lohan,
Associate Professor,
S.D. Mahila Mahavidyalaya, Narwana (Jind).

20. Dr. Mahender Singh,
Associate Professor,
Dayanand College, Hisar.

21. Mrs. Shveta Sharma,
Associate Professor,
F.C. College for Women, Hisar.

upto 27.03.2017

(v) Secretary, Kurukshetra University Students' Union and two Secretaries elected from amongst themselves by the Secretaries of the Students' Union in Colleges.

Vacant

(vi) Fifteen representatives (ten from amongst eminent academicians and five representatives from industry, commerce, medicine, engineering etc.) nominated by the Chancellor, for a term of three years. Out of the aforementioned fifteen representatives at least five should be women:-

1. Shri Amit Jindal, — from 03.04.2017
H.No.21, Shivalika Enclave,
NAC Manimajra,
Chandigarh (UT)
2 to 15 Vacant

1. Shri Amit Jindal, — upto 05.02.2017
H.No.21, Shivalika Enclave,
NAC Manimajra,
Chandigarh (UT)

2. Prof. M.S. Turan,
Dean, Academic Affiars,
Guru Jambheshwar University of Sci. & Tech.,
Hisar.

3. Sh. Satish Kumar Sangwan,
H.No.25, Sector-4,
Rohtak (Haryana).

4. Prof. K.K. Bhasin,
H.No.1654, Pushpak Society,
Sector 49-B,
Chandigarh.

5. Mr. M.S. Johar,
Vice-President, Human Resource Osram
India Pvt. Ltd., Signatures Towers,
South City, Gurgaon.

6. Mr. Vijay Sharma,
General Manager,
Human Resources, Hero Motor Corp. Ltd.,
37 Km. Stone, Delhi-Jaipur Highway,
Sector-33, Gurgaon – 122 001

7. Mrs. Ranjana Sharma, Ex. Principal,
FC College, Hisar, Vice-Chancellor's Residence,
Lala Lajpat Rai University of Veterinary & Animal Scs.,
Hisar.

8. Mrs. Lalita Singh,
Vice-Chancellor's Residence,
National Law University, Sector 14,
Dwarka, Delhi – 110 078

9. Dr. Tarsem Lal Garg,
Chancellor,
M.M. University,
Mullana (Ambala).

10. Prof. Nitin Nayak,
Director, Bharati Vidyapeeth's
Institute of Mgt. & Rural
Development Administration,
Sangli.

11. Mr. K.S. Yadav,
Chief General Manager,
Escorts Agri Machinery,
Plot No.1 & 2, Sector 13,
Faridabad – 121 007

upto 25.05.2017

12. Mr. Rajya Wardhan Ghai,
CEO, India Solar Business, Hindustan
Clean Energy Ltd., 235-Okhla Industrial Estate,
New Delhi – 110 020

13. Prof. Anubha Kaushik,
Deptt. of Environmental Science,
GGS Indra Prashta University, Sector 16-C,
Dwarka, New Delhi – 78

14. Prof. Manju Bala,
Department of Mathematics,
Indira Gandhi University,
Meerpur (Rewari).

15. Mrs. Ritu Gupta,
Manager, VLSI,
Free Scale Pvt. Ltd.,
#478, Sector 31,
Gurgaon.

Upto 25.05.2017

(vii)(a) One of the Principals of Colleges maintained by the University, by rotation.

Principal,
University College,
Kurukshetra.

(b) One teacher other than Principals to be elected from amongst themselves by the teachers holding their posts in a substantive capacity in the two maintained colleges by the University.

Dr. Ashwani Kush,
Associate Professor,
University College,
Kurukshetra.

(vii) Four persons elected from amongst themselves by the representatives of the managements of colleges: -

1. Dr. Desh Bandhu,
Vice-President,
S.D. College Society (Lahore),
Ambala Cantt.

2. Sh. K.K. Kaushik, from 18.03.2017
Member,
SNRL Jairam Girls College,
Lohar Majra, Kurukshetra.

3 & 4 Vacant

1. Sh. H.R. Gandhar,
Member,
D.A.V. College For Girls,
Yamuna Nagar.

3. Sh. Roshan Lal Gupta,
Chairman,
Seth Banarasi Dass College of Education,
Pipli Road, Kurukshetra.

4. Mr. Vijay Sabharwal,
President,
Dharamjeevi Institute of Professional
Education,
Pehowa Road, Kurukshetra.

Upto 17.03.2017

Member Secretary

Registrar, Kurukshetra University
Dr. Parveen Kumar Saini

LIST OF MEMBERS OF THE EXECUTIVE COUNCIL OF THE KURUKSHETRA UNIVERSITY ACCORDING TO STATUTE 10 FROM 01.01.2017 TO 31.12.2017.

I. Ex-officio Members:

(i) Vice-Chancellor
Dr. Kailash Chandra Sharma

(i)(a) Pro-Vice-Chancellor

(ii) Secretary to Govt. Haryana, Education Department OR
in his absence, the Higher Education Commissioner, Haryana

(iii) Secretary to Govt. Haryana, Finance Department OR
in his absence, his nominee not below the rank of Deputy Secretary

II. Other Members:

(a) Five Deans of Faculties one from each of the following categories:

(i) Dean, Faculty of Life Sciences and Sciences, by rotation:

Dr. N.N. Dogra, Dean, Faculty of Sciences	from 02.11.2017
Dr. Shyam Kumar Dean, Faculty of Sciences	upto 01.11.2017

(ii) Dean, Faculty of Commerce & Management and Social Sciences by rotation:

Dr. Chandra Paul Singh, Dean, Faculty of Social Sciences.	from 10.08.2017
Dr. C.R. Darolia, Dean, Faculty of Social Sciences.	from 18.03.2017 upto 09.08.2017
Dr. (Mrs.) Manjula Chaudhary, Dean, Faculty of Comm. & Mgt.	upto 17.03.2017

(iii) Dean, Faculty of Arts & Languages and Law by rotation:

Dr. Dalip Kumar, Dean, Faculty of Law	from 19.12.2017
Dr. Raj Pal, Dean, Faculty of Law	from 18.03.2017 upto 18.12.2017
Dr. (Mrs.) Ashu Shokeen Dean, Faculty of Arts & Languages	from 07.01.2017 upto 17.03.2017
Dr. R.S. Bhatti, Dean, Faculty of Arts & Languages	upto 06.01.2017

(iv) Dean, Faculty of Indic Studies and Education by rotation:

Dr. Rajinder Singh Yadav Dean Faculty of Education	from 18.03.2017

Dr. R.P. Mishra, upto 17.03.2017
Dean, Faculty of Indic Studies

(v) Dean, Faculties of Engg. & Tech.; Ayurvedic Medicines and Medical, Dental Sciences and Pharmaceutical Sciences by rotation:

Dr. N.N. Dogra, from 02.11.2017
Dean, Faculty of Engg. & Tech.

Dr. Shyam Kumar, from 05.03.2017
Dean Faculty of Engg. & Tech. upto 01.11.2017

Dr. Avtar Chand Rana upto 04.03.2017
Dean, Faculty of Pharmaceutical Sciences

(b) Two Principals (other than the Deans of the Faculties) of Colleges, out of whom one shall be from a Women's Colleges, by rotation for one year, on the basis of seniority of experience as Principal:

(1) Dr. (Mrs.) Ujjwal Sharma from 08.06.2017
Principal,
Hindu Girls College
Jagadhri.

Dr. (Mrs.) Sadhana Thukral, upto 07.06.17
Principal,
I.G. Mahila Mahavidyalaya,
Kaithal.

(2) Dr. Jagdish Gupta, from 01.10.2017
Principal,
Arya College,
Panipat

Dr. Ramesh Lal, upto 30.09.2017
Principal,
D.A.V. College,
Cheeka.

(c) One teacher (other than a principal) of a college to be elected by the members of the Court amongst themselves:

Dr. P.R. Tyagi, from 31.03.2017
Associate Professor,
Guru Nanak Khalsa College,
Yamuna Nagar.

Dr. Rajbir Parashar, upto 27.03.2017
Associate Professor,
R.K.S.D. College (P.G.),
Kaithal.

(d) One of the Professors of UTDs other than Dean under Sub-Clause(s) by rotation for one year, on the basis of seniority:

Dr. Manjula Chaudhary, from 15.06.2017
Professor,
Dept. of Tourism,
K.U. Kurukshetra.

Dr. Shyam Kumar, upto 14.06.2017
Professor,
Dept. of Physics,
K.U. Kurukshetra.

(e) Two teachers of the University Teaching Departments other than Professors to be elected from amongst themselves out of whom at least one shall be a Asso. Prof./Reader:

Dr. Mukender Singh Kadyan,
Assistant Professor,
Dept. of Stat. & OR,
K.U. Kurukshetra

Dr. Sunil Kumar,
Associate Professor,
Dept. of Law,
K.U. Kurukshetra.

(f) One teacher (Asstt. Prof./Asso. Prof.) of the UCK/UCEK/DDE and IS&IS other than Profs., as the case may be, to be elected from amongst themselves.

Dr. (Mrs.) Anita Rani Dua,
Associate Professor,
University College,
Kurukshetra.

(g) Four persons as the Chancellor's nominee from amongst distinguished educationists of National or International eminence or distinguished servicing/retired Civil Servants out of aforesaid four persons at least one should be a woman:

1. Prof. B.R. Gulati (Retd.),
#951, Sector 13,
Urban Estate,
Karnal.

2. Dr. B.B. Goel,
#337, Sector 13,
Panchkula.

from 03.11.2017

3. Dr. (Mrs.) Shimla,
H.No.B-233, Sector-92,
Noida.

4. Dr. Om Parkash,
(Retd. Vice-Chancellor, MBU, Solan, HP and MU, Mount Abu, RJ)
#454/9, Laxman Colony,
Kurukshetra.

Prof. B.R. Gulati (Retd.),
#951, Sector 13,
Urban Estate,
Karnal.

Prof. Reicha Tanwar,
Prof. & Director,
Women Studies Research Centre,
K.U. Kurukshetra.

upto 23.07.2017

(h) One out of the non-teaching employees of the university, by rotation for one year, on the basis of seniority. 'Seniority' for the purpose be counted by length of service.

Vacant

III. Ex-officio Secretary
Dr. Parveen Kumar Saini
Registrar, K.U. Kurukshetra

LIST OF THE MEMBERS OF THE ACADEMIC COUNCIL UNDER STATUTE 12 OF THE K.U. ACT & STATUTE, 1986 FROM 01.01.2017 TO 31.12.2017

I. Ex-Officio Members:

(i)	The Vice-Chancellor	Dr. Kailash Chandra Sharma,
(ii)	The Director General, Higher Education, Haryana, Siksha Sadan, Sector-5, Panchkula, or the Joint Director (Colleges), Haryana or any nominee of Director General Higher Education, Haryana not below the rank of Deputy Director (Colleges)	
(iii)	The Registrar	Dr. Parveen Kumar Saini
(iv)	The Deans of the Faculties	
	1. Sciences	Dr. Shyam Kumar upto 01.11.2017 Dr. N.N. Dogra From 02.11.2017
	2. Life Sciences	Dr. V.K. Gupta Upto 29.09.2017 Dr. Ashok Aggarwal From 30.09.2017
	3. Arts & Languages	Dr. R.S. Bhatti Upto 06.01.2017 Dr. (Mrs.) Ashu Shokeen From 07.01.2017
	4. Social Sciences	Dr. C.R. Darolia Upto 09.08.2017 Dr. Chandra Paul Singh From 10.08.2017
	5. Education	Dr. Rakam Singh Upto 30.01.2017 Dr. R.S. Yadav From 31.01.2017
	6. Indic Studies	Dr. R.P. Mishra
	7. Law	Dr. Raj Pal Upto 18.12.2017 Dr. Dalip Kumar From 19.12.2017
	8. Commerce & Mgt.	Dr. (Mrs.) Manjula Chaudhary
	9. Engg. & Technology	Dean, Faculty of Sciences
	10. Pharmaceutical Scs.	Dr. Avtar Chand Rana

(v)	The Dean of Students' Welfare, if any	Dr. Pawan Kumar Sharma
(vi)	The Dean Academic Affairs	Dr. Anil Vohra
(vii)	The Dean of Colleges	Dr. Rajneesh Kumar
(viii)	**The Chairpersons/ Directors of the Departments/Institute :**	
	1. A.I.H. Cul. & Arch.	Dr. Bhagat Singh
	2. Botany	Dr. Narender Singh Upto 04.10.2017 Dr. Ashok Aggarwal From 05.10.2017
	3. Chemistry	Dr. Sanjiv Arora
	4. Bio-Chemistry	Dr. Ashok Aggarwal
	5. Commerce	Dr. Narender Singh Upto 31.03.2017 Dr. Neelam Rani From 01.04.2017
	6. Computer Sc. & Appls.	Dr. Rajender Nath Upto 11.06.2017 Dr. Rakesh Kumar From 12.06.2017
	7. Geology	Dr. N.N. Dogra
	8. English	Dr. Ram Niwas
	9. Economics	Dr. Sanjeev Bansal
	10. Education	Dr. Ramana Sood, Upto 17.08.2017 Dr. Sangeeta, From 18.08.2017
	11. Geography	Dr. Rajeshwari
	12. Home Science	Dr. (Mrs.) Tarvinderjeet Kaur
	13. Hindi	Dr. Babu Ram Upto 09.03.2017 Dr. Pushpa Rani, From 10.03.2017
	14. History	Dr. S.K. Chahal
	15. Library & Information Science	Dr. Joginder Singh
	16. Modern European Languages	Dean, Faculty of Arts & Languages

17. Law	Dr. Dalip Kumar
18. Mathematics	Dr. Ram Kararn
19. University School of Management	Dr. (Mrs.) Sudesh
20. Music & Dance	Dr. Shuchismita Sharma Upto 09.09.2017 Dr. Shakuntla Nagar, From 10.09.2017
21. Panjabi	Dr. R.S. Bhatti Upto 06.06.2017 Dr. H.S. Randhawa, From 07.06.2017
22. Philosophy	Dr. R.K. Deswal
23. Psychology	Dr. Rohtash
24. Physical Education	Dr. Arvind Malik
25. Physics	Dr. Rajender Kumar Moudgil
26. Political Science	Dean, Faculty of Arts & Languages Upto 15.02.2017 Dr. (Ms.) Nirupma Gupta, From 16.02.2017
27. Public Administration	Dr. Manjusha Sharma
28. Social Work	Dr. R.K. Bhardwaj
29. Sanskrit, Pali & Prakrit	Dr. Lalit Kumar Gaur
30. Statistics & O.R.	Dr. Indira Rani Upto 23.01.2017 Dr. Mukender Singh Kadyan, From 24.01.2017
31. Zoology	Dr. Rajnesh Kumar
32. Tourism	Dr. Mohinder Chand
33. Microbiology	Dr. Neelam
34. Bio-Technology	Dr. Anita Yadav
35. Fine Arts	Dr. Ram Viranjan
36. Electronic Science	Dr. Anurekha Sharma

	37. Geophysics	Dr. R.C. Patel, Upto 22.12.2017 Dr. Bhagwan Singh Chaudhary, From 23.12.2017
	38. Sociology	Dean, Faculty of Arts & Languages Upto 14.05.2017 Dr. C.P. Singh, From 15.05.2017
	39. Department of Instrumentation	Dr. D.S. Rana
	40. Institute of Pharmaceutical Sciences	Dr. Avtar Chand Rana
	41. Institute of Mass Communication and Media Technology	Dr. S.S. Boora
	42. Institute of Law	Dr. Raj Pal
	43. Institute of Environmental Studies	Dr. Smita Chaudhary
	44. Institute of Management Studies	Dr. Bhag Singh Bodla
	45. Director, University Institute of Engg. & Technology	Dr. C.C. Tripathi
(ix)	The Chief Warden of University Hostels	Dr. C.P. Singh Dr. Manjusha Sharma
(x)	The Principal, Shri Krishna Govt. Ayurvedic College, Kurukshetra	
(xi)	The Proctor	Dr. R.K. Deswal
(xii)	The Controller of Examinations	Dr. Hukam Singh Dr. O.P. Ahuja Upto 30.11.2017
(xiii)	The Librarian of the University Library	Dr. Manoj Joshi
(xiv)	The Curator of the University Museum	Dr. Maha Singh Poonia
(xv)	One out of the Principals of the Colleges maintained by the University by rotation, provided that he is not a member of the Executive Council.	Principal, University College, K.U.K. Upto 26.11.2017 Principal, University College of Education, K.U.K. From 27.11.2017
(xvi)	One out of the Principals (other than Dean) of the Dental Colleges affiliated to this University, by rotation.	-